GSEB Std 10 Hindi Textbook Solutions Chapter 3 सवैये

GSEB Class 10 Hindi Solutions सवैये Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए ।

प्रश्न 1.

यमुना किनारे कदंब की डाल पर रसखान किस रूप में बसना चाहते हैं ?

(अ) पशु

(ब) भगवान

(क) पक्षी

(ड) मनुष्य

उत्तर :

(क) पक्षी

प्रश्न 2.

आठ सिद्धि और नव निधि का सुख प्राप्त होता है .....

(अ) नंद की धेनु चराने में ।

(ब) यमुना किनारे स्नान करने में ।

(क) कदंब के वृक्ष पर बसने में ।

(ड) मुरली बजाने में ।

उत्तर :

(अ) नंद की धेनु चराने में ।

प्रश्न 3.

कलधौत के धाम का अर्थ होता है .....

(अ) काली यमुना नदी ।

(ब) सोने का राजमहल ।

(क) चाँदी का राजमहल

(ड) कृष्ण का राजमहल ।

उत्तर :

(ब) सोने का राजमहल ।

प्रश्न 4.

गोपी गले में ..... माला पहनना चाहती है ।

(अ) सोने की

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ब) होरों की
(क) मोतियों की
(ड) गुंजे की
उत्तर :
(ड) गुंजे की

2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
मनुष्य के रूप में रसखान कहाँ बसना चाहते हैं ?
उत्तर :
मनुष्य के रूप में जन्म मिलने पर रसखान गोकुल गाँव में ग्वालों के साथ बसना चाहते है।

प्रश्न 2.
पशु के रूप में कवि कहाँ निवास करना चाहते हैं ?
उत्तर :
पशु के रूप में कवि नंद की गायों के बीच निवास करना चाहते हैं।

प्रश्न 3.
रसखान किस पर्वत का पत्थर बनना चाहते हैं ?
उत्तर :
रसखान गोवर्धन पर्वत का पत्थर बनना चाहते हैं।

प्रश्न 4.
पशुयोनि में जन्म मिलने पर कवि क्या करना चाहते हैं ?
उत्तर :
पशुयोनि में जन्म लेना कवि के वश में नहीं हैं, परंतु कवि इतना ही चाहते हैं कि प्रतिदिन उन्हें नंद की गायों के बीच चरने का मौका मिले।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
लकुटी लेकर रसखान क्या करना चाहते हैं ? क्यों ?
उत्तर :
लकुटी लेकर रसखान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि में कृष्ण की भाँति वन में भटकते हुए गाएं चराना चाहते हैं। इससे वे अपने आपको श्रीकृष्ण के समीप होने का अहसास करना चाहते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 2.
श्रीकृष्ण को रिझाने के लिए गोपी क्या-क्या करना चाहती है ?
उत्तर :
श्रीकृष्ण को रिझाने के लिए गोपियाँ श्रीकृष्ण के तरह-तरह के स्वांग करना चाहती हैं। वे श्रीकृष्ण की तरह अपने सिर पर मोरपंख धारण करना चाहती हैं, गुंजों की माला गले में पहनना चाहती है तथा पीतांबर ओवकर और हाथ में लाठी लेकर गायों के पीछे ग्वालों के साथ-साथ वन में भटकना चाहती हैं।

प्रश्न 3.
गोपी कृष्ण की मुरली को अपने अधरों पर क्यों नहीं रखना चाहती ?
उत्तर :
गोपियों का श्रीकृष्ण से निश्छल प्रेम है। वे नहीं चाहती कि श्रीकृष्ण की मुरली को वे अपने अधरों पर रखकर जूठी करें। वे इस चेष्टा को अपने प्रिय के साथ विश्वासघात मानती हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
रसखान श्रीकृष्ण का सामीप्य किन रूपों में किस प्रकार चाहते हैं ?
उत्तर :
कवि रसखान श्रीकृष्ण और उनकी लीला-स्थली से अभिभूत हैं। वे हर उस चीज से सामीप्य चाहते हैं, जिनका संबंध श्रीकृष्ण से रहा है। वे अगले जन्म में गोकुल गाँव में जन्म लेकर वहाँ के ग्वालों के बीच उसी तरह रहना चाहते हैं। जैसे कृष्ण रहते थे। श्रीकृष्ण बचपन में नंद की गाएं चराने जाया करते थे। वे पशु के रूप में जन्म लेकर नंद की गायों के बीच चरना चाहते हैं। यमुना के किनारे कदंब के पेड़ों पर चढ़कर बचपन में श्रीकृष्ण ग्वाल-बालों के साथ खेला करते थे। पक्षी के रूप में जन्म लेकर रसखान इन्हीं कदंब के वृक्षों पर रैन-बसेरा करना चाहते हैं। इतना ही नहीं, यदि अगले जन्म में वे पत्थर बनें, तो उसी पहाड़ का पत्थर बनने की कामना करते हैं, जिसे श्रीकृष्ण ने अपने हाथों से उठा लिया था, यानी जिसका उन्होंने स्पर्श किया था।

प्रश्न 2.
कवि श्रीकृष्ण से संबंधित किन वस्तुओं की अभिलाषा करता है । इनके लिए वह किन वस्तुओं को छोड़ने के लिए तैयार है ?
उत्तर :
कवि रसखान की श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य श्रद्धा है। वे हर हालत में श्रीकृष्ण के समीप रहना चाहते हैं। इसके लिए वे उन वस्तुओं की अभिलाषा करते हैं, जिनका संबंध श्रीकृष्ण से रहा है। श्रीकृष्ण लाठी और कमली लेकर वन में गाएं चराने जाया करते थे। इस लाठी और कमली पर वे आकाश, पाताल और मृत्यु लोक- तीनों लोकों - के राज्य को भी तुच्छ मानते हैं और उसे खुशी-खुशी छोड़ने

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

को तैयार हैं। नंद की गायों को चराने के सुख को वे आठों सिद्धियों एवं नौवॉ निधियों से भी बढ़कर मानते हैं। इसे पाने के लिए वे इन्हें सहर्ष छोड़ने को तैयार हैं। व्रज के जिन बनों, बगीचों और सरोवरों का संबंध श्रीकृष्ण से रहा है, उन्हें देखने की उनके मन में बड़ी अभिलाषा है। इतना ही नहीं, वे व्रज की काँटेदार झाड़ियों के लिए सोने से बने करोड़ों महलों को भी न्यौछावर करने के लिए तैयार हैं।

प्रश्न 3.
कृष्ण की मुरली का ब्रज की स्त्रियों पर क्या प्रभाव पड़ा ?
उत्तर :
व्रज की स्त्रियाँ कृष्ण की मुरली की धुन की दीवानी थीं। श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मनमोहक तान से ब्रज की समस्त स्त्रियों को रिझा लिया था। अपनी मुरली की धुन से जैसे उन्होंने वज की स्त्रियों पर कुछ ऐसा जादू-टोना-सा कर दिया था कि वे उनके हृदय में घर कर गए थे। हालत ऐसी हो गई थी कि किसी को किसी की परवाह नहीं थी। ब्रज के सारे स्त्री-पुरुष कृष्ण की मुरली की धुन पर मुग्ध हो गए थे।

प्रश्न 4.
कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति प्रदर्शित करने के लिए रसखान क्या-क्या न्यौछावर करना चाहते हैं ?
उत्तर :
कवि रसखान के मन में श्रीकृष्ण के प्रति अपार श्रद्धा है। वे अपने आराध्य देव के प्रति समर्पित है। श्रीकृष्ण का लकुटी और कमली लेकर गायों को चराने के लिए वन में जानेवाला रूप उनके मन में समाया हुआ है। उस रूप का दर्शन करने के लिए वे तीनों लोकों के राज्य को न्योछावर करने को तत्पर हैं।

नंद की जिन गायों को उनके आराध्य देव श्रीकृष्ण ने चराया था, वे उन गायों को चराकर अद्भुत सुख प्राप्त करना चाहते हैं। इस सुख के सामने वे आठों सिद्धियों और नौवों निधियों को भी तुच्छ मानते हैं। नंद की गायों को चराने के सुख के सामने वे इन सिद्धियों और निधियों को न्योछावर करने को तैयार हैं। वे ब्रज के लता, कुंज एवं पेड़-पौधों का दर्शन करने के लिए बेचैन हैं। इतना ही नहीं, वे ब्रज की कंटीली झाड़ियों को भी सोने से बने महलों से मूल्यवान मानते हैं और उनके सामने वे सोने के करोड़ो महलों को न्योछावर करते हैं।

5. उचित जोड़े बनाइए:

प्रश्न 1.

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

‘अ’	‘ब’
मनुष्य	नंद की गाय
पशु	यमुना के किनारे कदंब की डाल
पक्षी	गोवर्धन पर्वत
पत्थर	गोकुल गाँव

उत्तर :

‘अ’	‘ब’
मनुष्य	गोकुल गाँव
पशु	नंद की गाय
पक्षी	यमुना के किनारे कदंब की डाल
पत्थर	गोवर्धन पर्वत

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in